A Report
on
Training cum Workshop on
Popularization of Farm Practices to Mitigate the Effect of Land Degradation and Desertification

Under AICRP-24 (Combating Desertification) Project, Genetics and Tree Improvement Division of ICFRE-Forest Research Institute, Dehradun conducted one day training cum workshop on "Popularization of best practices to mitigate the effect of land degradation and desertification" in collaboration with Central University Punjab. The training cum workshop was conducted for farmers and local people at Central University Punjab, Bhatinda on **07.08.2024**, in which about 100 farmers, local people and students participated.

Inaugural Session

The event began with an inaugural address by **Dr. Sanjeev Thakur**, Dean of Sciences and Senior Faculty of Botany at CUP, Bhatinda. Following the inaugural address, **Mr. M.S. Bhandari,** Scientist-E and Project Investigator, delivered a keynote talk focusing on the AICRP-24 (Combating Desertification) Project funded by CAMPA, Ministry of Environment, Forest and Climate Change (MoEF&CC), Govt of India. His talk revolved around the Combating Desertification Programme, which aims to manage degraded land through afforestation using quality germplasm of native species. He also touched upon the sustainable utilization of forest genetic resources, highlighting the importance of these initiatives in preserving biodiversity.

Prof. Raghvendra Tiwari, Vice-Chancellor of CUP, Bhatinda, addressed the attendees, comprising farmers and students. His message centered on preparing for a sustainable future, advocating for the judicious use of biodiversity resources, and promoting various afforestation techniques as a means to combat land degradation. Prof. Tiwari emphasized innovation as a crucial tool for improving the quality of life and preserving biodiversity. The inaugural session concluded with a vote of thanks by **Dr. Felix D. Bast.**

Technical Sessions

The first technical session was led by **Dr. Avtar Singh Gill**, Senior Scientist-Forestry at PAU, Bathinda, who addressed the soil conditions in Bhatinda and moisture conservation. **Dr. Parmanand Kumar**, Scientist-D at ICFRE-FRI, Dehradun, discussed reclaiming saline/sodic soils. **Dr. Rama Kant**, Scientist-E at ICFRE-FRI, presented on the selection of species like *Azadirachta indica* (Neem), *Ailanthus excelsa, Toona ciliata*, and *Chukrasia tabularis* as effective means for land reclamation and **Dr. R.K. Meena**, Scientist-E at ICFRE-FRI, presented on the selection of species like *Dalbergia sissoo and D. latifolia* for soil reclamation. **Shri Lokinder Sharma**, Scientist-C at ICFRE-FRI, concluded with a talk on Silvicultural practices and management of the forestry species at plantation sites.

Field Visit

In the afternoon, participants visited the plantation site at CUP, where demonstrations of various soil moisture conservation practices were carried out, such as trenching, irrigation, and bunding of pits etc. The visit highlighted the importance of conserving native vegetation, conducting species trials, and overcoming soil salinity at the 1.5-hectare plantation site. The event provided valuable insights into sustainable land management, afforestation, and the conservation of forest genetic resources.

PHOTOGRAPHS

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'भूमिक्षरण और मरुस्थलीकरण की चुनौती से निपटने' विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बठिंडा (नीरज कुमार): पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई), देहरादून के सहयोग से भूमिक्षरण और मरुस्थलीकरण की चुनौती से निपटने हेतु सतत कृषि प्रथाओं को लोकप्रिय बनाना÷ विषयक एक दिवसीय कार्यशाला की सफलतापूर्वक मेजबानी की। %विकसित भारत 2047% पहल के अंतर्गत आयोजित इस कार्यशाला में किसानों और शोधार्थियों सहित 150 से ज्यादा प्रतिभागियों ने सहभागिता करते हुए विशेषज्ञों से टिकाऊ कृषि पद्धतियों के बारे में जाना। उद्घाटन समारोह के दौरान प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कुलपति प्रोफेसर राघवेंद्र प्रसाद तिवारी ने भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण की चुनौती का तत्काल समाधान खोजने एवं आवश्यक रणनीति अपनाने पर बल दिया। उन्होंने केंद्र सरकार की योजना 'एक पेड़ मां के नाम' के साथ इस कार्यक्रम को जोड़ते हुए सतत कृषि विकास की रणनीतियों पर शोध हेतु विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रोफेसर तिवारी ने इस चुनौती से संबंधित प्रभावी समाधान विकसित करते के लिए शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान निकायों और कृषक समुदाय के बीच सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए अपने ज्ञान को साझा करने के लिए आईसीएफआरई-एफआरआई के प्रयासों की सराहना की और किसानों को सतत कृषि प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं, आईसीएफआरई-एफआरआई

के डॉ. एम.एस. भंडारी ने मृदा संरक्षण, टिकाऊ भूमि प्रबंधन और उपयुक्त पौधों की प्रजातियों के चयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए व्यावहारिक रणनीतियाँ साझा कीं। उन्होंने सफल केस अध्ययनों और नवीन तकनीकों पर प्रकाश डाला, जो किसानों को खराब भूमि को बहाल करने और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए व्यावहारिक उपकरण प्रदान करते हैं। तकनीकी सत्रों के दौरान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. अवतार तथा आईसीएफआरई-एफआरआई के वैज्ञानिक डॉ. आर.के. मीना (वैज्ञानिक ई), डॉ. एम.एस. भंडारी (वैज्ञानिक ई), डॉ. परमानंद कुमार (वैज्ञानिक डी) और श्री लोकेंद्र शर्मा (वैज्ञानिक सी) सहित विभिन्न विशेषज्ञों ने मृदा संरक्षण उपायों, लवणीय/क्षारीय मिट्टी के सुधार और मालवा क्षेत्र की मिट्टी के लिए उपयुक्त वृक्ष प्रजातियों के चयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। तकनीकी सत्रों के बाद प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के 1.5 हेक्टेयर वृक्षारोपण स्थल, वनस्पति उद्यान और नींबू के बगीचों में विभिन्न कृषि प्रथाओं को देखने का अवसर दिया गया। इस व्यावहारिक खंड ने किसानों को चर्चा की गई प्रथाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग को देखने और समझने का अवसर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विज्ञान के डीन प्रोफेसर संजीव ठाकुर के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने कार्यक्रम की थीम पर प्रकाश डाला। अंत में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ विनय कुमार यादव ने कार्यशाला को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम ने न केवल उपस्थित किसानों के बीच कृषि प्रथाओं के ज्ञान को बढ़ाया, बल्कि सतत कृषि विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सहयोगी प्रयासों को भी मजबूत किया।

विकसित भारत
अभियान
WORLD
ENVIRONMENT DAY
05th June, 2024
JAI ANUSANDHAN

GPS Map Camera
Bathinda, Punjab, India
4RR3+V2J, Bathinda, Punjab 151001, India
Lat 30.143327°
Long 74.801476°
07/08/24 03:00 PM GMT +05:30
Google